

10140314040/12345 2345 -6

1. உறுப்பினர்

- 1 महानिवाकर, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- 2 स्टाफ आधिकार, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन ।
- 3 जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ ।
- 4 महानिदेशक, विकल्प स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देहरादून को उनके पत्र संख्या 24/रा0म0/6/134/2001/745, दिनांक 12.01.2007 के संदर्भ में ।
- 5 मण्डलीय अपर निदेशक, विकल्प स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
- 6 सचिव लोक सेवा आयोग, हरिद्वार, उत्तरांचल ।
- 7 मुख्य विकल्पाधिकारी, पिथौरागढ़ ।
- 8 सम्बन्धित विकल्पाधिकारी द्वारा महानिदेशक, विकल्प स्वास्थ्य, पिनो एवं पिनो क०, देहरादून,

[illegible]

५०५०- ३२(१)/XXVII-२-२००६-१९/२००६, तद्विनाशक

**पञ्च**

ଆଉଁ ଓହଲ

गणपति की आज्ञा से,

डॉ० गीतांजलि चौधरी, महिला विकासक, राजकीय महिला विधिकसालय, ३१० गीतांजलि चौधरी, १९.०२.१९९९ से अपने कार्य से अनपस्थित रूप से अनुपस्थित है और अनाधिकृत अनुपस्थिति के फलस्वरूप उन्हें उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनशासन एवं अपील) नियमावली के अधीन अपने कर्तव्य के प्रति उत्दासीनता बरतने व शासन के नियमों का उल्लंघन करने का दोषी ठहराते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की गयी। डॉ० चौधरी को ऊपर लगाये गये आरोपों की जांच हेतु अपर निदेशक, विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल की जांच अधिकारी नामित किया गया था। तत्समय में जांच अधिकारी द्वारा उपलब्ध की गयी गयी जांच आख्या में उल्लिखित है कि डॉ० चौधरी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्हें आरोप पत्र की प्रति तामील करायी गयी परन्तु उनके दिये गये पत्र पर वर्तमान में वह निवास्त नहीं है। वर्तमान में डॉ० चौधरी कहते हैं से संबंधित सूचना उनके निषेक अधिकांश-मुख्य विधिकसालिकारी, पृथ्वीराज को भी प्राप्त नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि डॉ० चौधरी सेवा करने की इच्छा नहीं है। अतएव उत्तरांचल अस्थाई सरकारी सेवक (सेवा समाप्ति सेवानिवृत्ति) २००३ के अन्तर्गत डॉ० गीतांजलि चौधरी को यह नोटिस दिया जाता है कि उनकी सेवाओं की अब आगे आवश्यकता नहीं रहे गयी है। फलतः इस नोटिस की प्राप्ति की तारीख से एक माह की समाप्ति पर उनकी सेवाएं समाप्त समझी जायेंगी। तदनुसार डॉ० गीतांजलि चौधरी के विरुद्ध प्रचलित विधायीय जांच की समाप्त किया जाता है।

ከዚህ ከጋራ

२६१६१ : दिनांक : १९ मार्च, २००७

32/XXVIII-2-2007-19/2006 - 11

2-111111 111111

உயிர் உயர்வு